om 23 Final_Page 1 and 2 02/03/2015 10:20 Page 9



# कथा सरिता

## भक्ति

एक भक्त इमली के वृक्ष के नीचे बैठकर भगवान का भजन कर रहा था। एक दिन वहाँ नारद जी महाराज आ गये। उस भक्त ने नारद जी से कहा कि आप इतनी कृपा करें कि जब भगवान के पास जायें तब उनसे पूछ लें कि वे मुझे कब मिलेंगे?

नारद जी भगवान के पास गये और पूछा कि अमुक स्थान पर एक भक्त इमली के वृक्ष के नीचे बैठा है और भजन कर रहा है, उसको आप कब मिलेंगे? भगवान ने कहा कि उस वृक्ष के जितने पत्ते हैं, उतने जन्मों के बाद मिलूँगा।

ऐसा सुनकर नारद जी उदास हो गये। वे उस भक्त के पास गये, पर उससे कुछ कहा नहीं। भक्त ने प्रार्थना की कि भगवान ने क्या कहा है, कह तो दो। नारद जी बोले कि तुम सुनोगे तो हताश हो जाओगे।

जब भक्त ने बहुत आग्रह किया, तब नारद जी बोले कि इस वृक्ष के जितने पत्ते हैं, उतने जन्मों के बाद भगवान की प्राप्ति होगी। भक्त ने उत्सुकता से पूछा कि क्या भगवान ने खुद ऐसा कहा है? नारद जी ने कहा कि हाँ, खुद भगवान ने कहा है।

यह सुनकर वह भक्त खुशी से नाचने लगा कि भगवान मुझे मिलेंगे, मिलेंगे, मिलेंगे!! क्योंकि भगवान के वचन झूठे नहीं हो सकते। इतने में ही भगवान वहाँ प्रकट हो गये! नारद जी ने देखा तो उनको बड़ा आश्चर्य हुआ।

वे भगवान से बोले कि महाराज! अगर यही बात थी तो मेरी फज़ीहत क्यों करायी? आपको जल्दी मिलना था तो मिल जाते। मुझसे तो कहा कि इतने जन्मों के बाद मिलूँगा और आप अभी आ गये! भगवान ने कहा नारद! जब तुमने इसके विषय में पूछा था, तब यह जिस चाल से भजन कर रहा था, उस चाल से तो इसको उतने ही जन्म लगते, परन्तु अब तो इसकी चाल ही बदल गयी!

यह तो 'भगवान मुझे मिलेंगे' इतनी बात पर ही मस्ती से नाचने लग गया! इसलिए मुझे अभी ही आना पड़ा।

कारण कि उद्देश्य की सिद्धी में जो अटल विश्वास, अनन्यता, दृढ़ता, उत्साह होता है, उससे भजन तेज़ हो जाता है।

## सम्मान

ये कहानी एक ऐसे व्यक्ति की है जो एक फ्रीज़र प्लांट में काम करता था। वह दिन का अंतिम समय था व सभी घर जाने को तैयार थे तभी प्लांट में एक तकनीकी समस्या उत्पन्न हो गई और वह उसे दूर करने में जुट गया। जब तक वह कार्य पूरा करता तब तक अत्यधिक देर हो गई। दरवाज़े सील हो चुके थे व लाइटें बुझा दी गईं।

बिना हवा व प्रकाश के पूरी रात आईस प्लांट में फँसे रहने के कारण उसकी बर्फीली कब्रगाह बनना तय था। घण्टे बीत गए, तभी उसने किसी को दरवाज़ा खोलते पाया। क्या यह एक चमत्कार था? सिक्योरिटी गार्ड टॉर्च लिए खड़ा था व उसने उसे बाहर निकलने में मदद की। वापस आते समय उस व्यक्ति ने सिक्योरिटी गार्ड से पूछा ''आपको कैसे पता चला कि मैं भीतर हूँ?'' गार्ड ने उत्तर दिया ''सर, इस प्लांट में 50 लोग काम करते हैं, पर सिर्फ एक आप है जो सुबह हैलो व शाम को जाते समय बाय करते हैं।

आप सुबह ड्यूटि पर आये थे लेकिन शाम को आप बाहर नहीं गये। इससे मुझे शंका हुई और मैं देखने चला गया। वह व्यक्ति नहीं जानता था कि उसका किसी को छोटा सा सम्मान देना भी उसका जीवन बचाएगा।

याद रखें, जब आप किसी से मिलते हैं तो उसका गर्मजोश मुस्कराहट के साथ सम्मान करें। हमें नहीं पता पर हो सकता है कि ये आपके जीवन में भी चमत्कार दिखा दे।

# सच्चा धर्म

एक बार आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी सुबह के समय मंदिर से अपने घर वापस जा रहे थे। कुछ दूरी पर ही उन्हें 'बचाओ-बचाओ, मेरी जान बचाओ' की चीख सुनाई दी। एक अछूत स्त्री को साँप ने काट लिया था। कोई उस स्त्री की सहायता नहीं कर रहा था। आचार्य द्विवेदी जैसे ही वहाँ पहुंचे, लोग कहने लगे, ''आचार्य जी! इसे हाथ मत लगाना, यह अछूत है।''

द्विवेदी जी ने किसी की परवाह किए बिना कुछ और न पाकर अपना जनेऊ तोड़कर स्त्री के पैर में साँप के काटे गए स्थान से थोड़ा ऊपर कसकर बाँध दिया। फिर चाकू से उस स्थान पर चीरा लगाकर, दूषित खून बाहर निकाल दिया। स्त्री की जान बच गई। इतनी देर में गाँव के कुछ और लोग इकट्ठा हो गए। गाँव के लोग आपस में बातें करने लगे कि आज से धर्म की नाव तो समझो डूब गई। देखो तो इस महावीर को, ब्राह्मण होकर जनेऊ जैसी पवित्र वस्तु को इस स्त्री के पैर से छुआ दिया। अब कौन हम ब्राह्मणों का सम्मान करेगा?''

उनकी ऐसी बातें सुनकर द्विवेदी जी बोले, ''जनेऊ के कारण ही एक स्त्री की जान बची है। मैं खुश हूँ कि आज मेरा ब्राह्मण होना किसी के काम आ सका। आज से पहले इस जनेऊ की कीमत ही क्या थी? आज इसने इसकी जान बचाकर अपनी असली उपयोगिता साबित कर दी है। अब मैं शायद ही कभी इस जनेऊ को उतारने का ख्याल करूँगा।'' द्विवेदी जी की बातों का किसी के पास कोई जवाब नहीं था। सभी ने द्विवेदी जी से माफी मांगी और भविष्य में मानव धर्म की रक्षा करने की कसम खाई।

# प्रकृति का नियम

जीव विज्ञान के टीचर क्लास में बच्चों को पढ़ा रहे थे कि इल्ली (कोष में बंद तितली का छोटा बच्चा) कैसे एक तितली का पूर्ण रूप लेता है। उन्होंने बताया कि 2 घण्टे बाद ये इल्ली अपने कोष से बाहर आने के लिए संघर्ष करेगी, और कोई भी उसकी मदद नहीं करेगा, उसको खुद ही कोष से बाहर निकलने के लिए संघर्ष करने देगा।

सारे छात्र उत्सुकता से इंतज़ार करने लगे, ठीक 2 घंटे बाद तितली अपने कोष से बाहर निकलने की कोशिश करने लगी, लेकिन उसे बहुत संघर्ष करना पड़ रहा था। एक छात्र को तितली पर दया आई और उसने अध्यापक की बात को नज़रअंदाज़ करते हुए उस तितली के बच्चे की मदद की और उसे कोष से बाहर निकाल दिया। लेकिन अचानक बाहर आते ही तितली ने दम तोड़ दिया।

टीचर जब कक्षा में वापस आए और घटना के बारे में पता चला तो उन्होंने छात्रों को समझाया कि तितली के बच्चे की मौत प्रकृति के नियम तोड़ने की वजह से हुई है। प्रकृति का नियम है कि तितली का कोष से निकलने के लिए संघर्ष करना उसके पंखों और शरीर को मज़बूत और सुदृढ़ बनाता है। लेकिन छात्र की गलती की वजह से तितली मर गई।

ठीक उसी तरह ये बात हम पर भी लागू होती है। बहुत सारे अभिभावक भावनावश अपने बच्चों को संघर्ष करने से बचाते हैं लेकिन वे ये नहीं जानते कि ये संघर्ष ही बच्चों को मज़बूत बनाता है।

तो मित्रों, संघर्ष इंसान को मानसिक और शारीरिक रूप से मज़बूत बनाता है। जो लोग जीवन में संघर्ष नहीं करते उनके हाथ सिर्फ विफलता ही लगती है।

**वाहाड़ाझीला-ओडिशा।** सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान सांसद प्रत्युषा राजेश्वरी सिंगा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. लवेनी। साथ हैं विधायक पुर्णचन्द्र नायक तथा अन्य।

**मुम्बई-मलाड।** प्रसिद्ध फिल्म डायरेक्टर व प्रोड्युसर सुभाष घई द्वारा उनके विश्व प्रसिद्ध फिल्म इंस्टीट्यूट विस्लिंग वूड्स में बनाए गए नए 'मेडिटेशन रूम' के उद्घाटन अवसर पर मोमेन्टो प्राप्त करने के बाद समूह चित्र में सुभाष घई, प्रसिद्ध अभिनेत्री विद्या बालन, ब्र.कु. कुंती, गायक सुखविंदर सिंह तथा अन्य।

**परभणी।** पूर्व मंत्री सतीश चतुर्वेदी व सामाजिक कार्यकर्ता रूपाताई कुलकर्णी द्वारा 'मदर टेरेसा' पुरस्कार प्राप्त करते हुए ब्र.कु. शारदा। साथ हैं प्रो. सानवणे तथा अन्य।

**नरकटियागंज-लौरिया(बिहार)।** 21 दिवसीय महाशिवरात्रि कार्यक्रम का शुभारंभ करने के पश्चात् समूह चित्र में अध्यक्षा अपर्णा सिंह, ब्र.कु. अबिता तथा अन्य।

**पदमपुर।** नये वर्ष पर ब्रह्माकुमारीज़ मार्ग का उद्घाटन करने के पश्चात् चेयरमैन बाद चरण नारंग को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. वंदना। साथ हैं अन्य भाई-बहनें।

**राजगढ़-म.प्र.।** 'विश्व शांति दिवस' पर आयोजित कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष रघुनंदन शर्मा। साथ हैं जिला जेलर अजय खरे, ब्र.कु. मधु व ब्र.कु. नीलम।

**वणी-चन्द्रपुर(महा.)।** विधायक संजू भाऊ बोधकुरवर के सेवाकेन्द्र में आने पर ज्ञानचर्चा के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. कुसुम, ब्र.कु. कुन्दा तथा ब्र.कु. दीपक।